जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 324 प्रभात बीकानेर, सोमवार 19 जून, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

सर्वाधिक दुर्लभ पक्षियों में से एक है टाकही। उड़ने में असमर्थ इस पक्षी को ओरोकोनुई इकोसैंक्युअरी में नवजीवन मिला है। टाकही पक्षी सिर्फ न्यूज़ीलैंड में मिलते हैं, खासकर वहां की मर्चिसन पहाड़ियों, फिओर्डलैंड और गौलैण्ड डाउन्स व कहूरांगी नैशनल पार्क में। फ्लाइटलैस टाकही (साउथ आइलैंड टाकही) विश्व में रेल प्रजाति के सबसे बड़े पक्षी हैं। नॉर्थ आइलैंड टाकही दुर्भाग्य से लुप्त हो चुके हैं। न्यूज़ीलैंड के साउथ आइलैंड की जनजातियों, नाई ताहू, माओरी आदि के लिए टाकही का विशेष सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं पारम्परिक महत्व है। नाई ताहू जनजाति के लोग तो टाकही को ट्रैज़र मानते हैं, इसलिए वे स्वयं को इनका रक्षक कहते हैं और इनके संरक्षण के लिए काम करते हैं। टाकही हालांकि उड़ सकने वाले अपने दूर के रिश्तेदार "पूको" (पर्पल स्वॉम्प हैन) जैसे लगते हैं, लेकिन उनके मुकाबले टाकही बड़े व शोख रंगों के होते हैं। इनका वजन 2.3 किलोग्राम से 3.8 किलोग्राम तक होता है। इनकी लाल रंग की मजबूत टांगें, बड़ी और मजबूत लाल चोंच होती है। सिर, गर्दन और छाती पर गहरे नीले रंग के पंख होते हैं और कंधे "पीकॉक ब्लू" रंग के। पीठ व पंखों का रंग चमकदार फिरोज़ी से लेकर मूंगिया हरा तक होता है। टाकही वर्ष में एक बार प्रजनन करते हैं तथा एक बार में एक से दो बच्चों को जन्म देते हैं। जंगल में इनकी आयु 16-18 वर्ष तथा अभयारण्य में 20-22 साल होती है। घास के मैदानों में रहने वाले ये पक्षी टसैक और सैज प्रजाति की घास की पत्तियों का नीचे वाला स्टार्च युक्त भाग खाते हैं। बर्फ गिरने पर ये जंगल में चले जाते हैं तथा समर ग्रीन फर्न के भूमिगत डंठल (राइज़ोम) खाते हैं। वर्ष 2007 में स्टोट (परभक्षी जीव) प्लेग की वजह से मर्चिसन माउन्टेन्स में इनकी आबादी में 50 प्रतिशत की कमी आई थी। हिरण भी टसैक घास में चरना पसंद करते हैं, जिससे टसैक घास के विकास पर प्रभाव पड़ता है और इस तरह टाकही के भोजन व आवास पर प्रभाव पड़ता है। कभी साउथ आइलैंड में ये बड़ी तादाद में मिलते थे, पर, अवैध शिकार, परभक्षी जीवों, आवास विनाश व भोजन की प्रतिस्पर्धा से इनकी आबादी कम हो गई। लगभग 50 साल तक इन्हें लुप्त माना गया था, फिर, 1948 में इनकी दोबारा खोज हुई। एक फ़िज़ीशियन, ज्यॉफ्री ऑरबैल ने मर्चिसन पहाड़ियों के सूदूर घास के मैदानों में इन पक्षियों को देखा। इसके बाद न्यूज़ीलैंड का सबसे लम्बी अवधि तक चलने वाला संरक्षण कार्यक्रम शुरु हुआ। सत्तर साल चले इस कार्यक्रम में ऐसे कदम उठाए गए, जिससे टाकही कभी भी विलुप्त ना हों। आज टाकही की आबादी 400 से कुछ अधिक है और इन्हें "नैशनली वल्नरेबल" वर्ग में रखा गया है।

केजरीवाल का आरोप, मेरी सभा फ्लॉप करवाने के लिए कुर्सियां फिकवाई गईं

केजरीवाल और भगवंत मान ने श्रीगंगानगर में जनसभा को संबोधित किया और मु.मंत्री अशोक गहलोत को निशाने पर लिया

- यूथ कांग्रेस ने केजरीवाल और भगवंत मान को काले झंडे दिखाए। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष करण सहारण के नेतृत्व में सुखाड़िया सर्किल के नजदीक विरोध-प्रदर्शन हुआ।
- केजरीवाल ने कहा कि, सचिन पायलट पूर्ववर्ती वसंधरा राजे सरकार के भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते-करते थक गये लेकिन मु.मंत्री गहलोत ने उनकी एक ना सूनी।
- आप पार्टी ने आरोप लगाया है कि, केजरीवाल के आने से पहले रामलीला मैदान में 15-20 लोग आए और कुर्सियां उठा-उठाकर फेंकी।

श्रीगंगानगर, 18 जून। श्रीगंगानगर जिले में दिल्ली के सी.एम. अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सी.एम. भगवंत मान को कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। यूथ कांग्रेस ने केजरीवाल और मान को काले झंडे दिखाए। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष करण सहारण के नेतृत्व में सुखाड़िया सर्किल के नजदीक विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस सहारण और यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को पकड़ कर ले गई। भाजपा नेता संजय मूंदड़ा के नेतत्व में विरोध में नारे लगाए। मान पर केमिकल युक्त दूषित पानी पर नहीं रोकने का आरोप लगाया। बता दें केजरीवाल और मान ने आज पंजाब से सटे राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में जनसभा को संबोधित किया और सी.एम. अशोक गहलोत को निशाने पर लिया।

आप ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल के आने से पहले रामलीला मैदान में 15-20 लोग आए और कुर्सियां उठा-उठाकर फेंकी। केजरीवाल का इशारा कांग्रेस की तरफ था। बता दें केजरीवाल और मान ने पंजाब से सटे श्रीगंगानगर जिले में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल और भगवंत मान का विरोध किया। भाजपा नेता संजय मूंदड़ा के नेतत्व में विरोध में नारे लगाए। काले दूषित पानी को लेकर कार्यकर्ताओं ने किया विरोध-प्रदर्शन। आरोप लगाया कि पंजाब से नहरों के जरिए केमिकल युक्त दूषित पानी आ रहा है। पंजाब सरकार समस्या के निजात नहीं दिला रही है।

सी.एम. केजरीवाल ने कहा कि भाजपा-कांग्रेस ने मिलकर भ्रष्टाचार किया है। बेचारे सचिन पायलट कह-कह कर थक गये, लेकिन गहलोत कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कहते हैं कि वसुंधरा मेरी बहन लगती है। अरविंद केजरीवाल ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे गंगानगर और स्टेडियम पर गहलोत साहब ने अपने होर्डिंग्स लगा रखे है। मैं गहलोत साहब से कहना चाहता हूं 5 साल काम कर लेते तो यह नीच हरकत नहीं करनी पड़ती। केजरीवाल के मुताबिक लोगों ने कहा कि सारे होर्डिंग गहलोत ने आपकों दिखाने के लिए लगा रखे है। केजरीवाल ने कहा कि हमारे आने से पहले यहां 15-20 लोग आ गए थे। कुर्सियां उठा-उठाकर फेंक रहे थे। ये तो डरपोक लोगों की हरकत है। ये तो कायर लोगों की हरकत है। अगर 5 साल काम कर लेते गहलोत साहब तो ये सब आप को करने की जरुरत नहीं पड़ती। आपका काम बोलता। केजरीवाल ने कहा कि गहलोत ने पांच साल काम नहीं किया। इसलिए केजरीवाल की रैली खराब करने की जरुरत पड़ रही है। अगर आप राजस्थान के लोगों के दिलों में बसते थे तो आज आराम से चेन की नींद सोए रए होते। गहलोत साहब रोज एक नया झुंझुनां थमा रहे है। केजरीवाल ने कहा कि सरकार में आने पर राजस्थान में आम आदमी पार्टी हर गांव में मोहल्ला क्लिनिक खुलवाएगी। हर घर में 300 यूनिट बिजली मुफ्त देगी।

सभा को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, गहलोत साहब ने हमारी रैली फेल करने के लिए काले झंडे लेकर लोगों को भेजा था। ये काले झंडे आम आदमी पार्टी के लिए घी का काम करते हैं। अकाली दल काले झंडे दिखाती थी, अब वे खुद अपना रंग भूल गए हैं। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल पंजाब के रास्ते राजस्थान में पकड़ मजबूत बनाना चाहते हैं। यही वजह है कि पंजाब से सटे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यूनिफॉर्म सिविल कोड का कड़ा विरोध तो करेंगे, लेकिन इसके लिए गलियों में नहीं उतरेंगे'

जमीयत प्रमुख अरशद मदनी का यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर यह बयान सामने आया

- गौरतलब है कि, विधि आयोग ने गत 14 जून को एक नोटिफिकेशन जारी करके य.सी.सी. पर लोगों से सुझाव मांगें हैं।
- अशरफ मदनी ने कहा कि बीते 1300 साल से हमारा पर्सनल लॉ है। हम उस पर ही कायम रहेंगे, आजादी के बाद से किसी भी सरकार ने ऐसा नहीं किया और हमें यकीन है कि इसकी कोई जरूरत भी नहीं है।

नई दिल्ली, 18 जून। यूनिफॉर्म सिविल कोड (यू.सी.सी.) यानी समान नागरिक संहिता को लेकर नए सिरे से परामर्श प्रक्रिया की शुरुआत हो चुकी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले यह देश में लागू हो सकता है। गौरतलब है कि, विधि आयोग ने गत 14 जून को एक नोटिफिकेशन जारी करके यू.सी.सी.पर लोगों से सुझाव मांगें हैं।

इस बीच जमीयत प्रमुख अरशद मदनी का यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर बयान आया है। उनके इस बयान से साफ हो रहा है कि कि समान नागरिक संहिता को लेकर मुस्लिम धर्म गुरुओं का रवैया क्या रहने वाला है। मदनी ने रविवार को अपना रुख जाहिर करते हुए कहा कि वह यूनिफॉर्म सिविल कोड (यू.सी.सी.) का विरोध तो करेंगे, लेकिन इसके लिए गलियों में नहीं उतरेंगे।

अशरफ मदनी ने कहा कि बीते 1300 साल से हमारा पर्सनल लॉ है। हम उस पर ही कायम रहेंगे, लेकिन यू.सी.सी. का विरोध करने के लिए गलियों का रुख नहीं करेंगे। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद से किसी भी सरकार ने ऐसा नहीं किया और हमें यकीन है कि इसकी कोई जरूरत भी नहीं है। मदनी ने कहा कि जितना अधिक विरोध प्रदर्शन होगा, हिंदू और मुस्लिम दूर हो जाएंगे और गलत इरादों वाले लोगों का मिशन पूरा होगा। गौरतलब है कि विधि आयोग द्वारा इस मुद्दे पर नए सिरे से विचार-विमर्श की मांग की गई है। इसकी विपक्षी दलों ने आलोचना की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले विधि आयोग ने इस मुद्दे पर 2018 में एक परामर्श रिपोर्ट प्रकाशित की थी। साथ ही उन्होंने हैरानी जताई कि वर्तमान विधि आयोग ने यह स्पष्ट नहीं किया कि नए सिरे से परामर्श की जरूरत क्यों हैं।

इस बीच इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खान ने कहा कि यू.सी.सी. लागू करना भाजपा के लिए चुनाव जीतने का महज एक टूल है। वहीं, ऑल इंडिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार के लिए चुना गया

नई दिल्ली, 18 जून (वार्ता)। देश के प्रतिष्ठित प्रकाशकों में से एक गीता प्रेस , गोरखपुर को वर्ष 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में निर्णायक मंडल ने रविवार को विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से वर्ष 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए गीता प्रेस, गोरखपुर का चयन किया है। यह पुरस्कार गीता प्रेस, गोरखपुर को अहिंसक और अन्य गांधीवादी आदर्शों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में परिवर्तन लाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जा रहा है।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में निर्णायक मंडल ने रविवार को विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से वर्ष 2021 के गांधी शांति पुरस्कार के लिए गीता प्रेस, गोरखपुर का चयन किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका का चीन प्रेम जागा, विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन बीजिंग पहुँचे

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि, उनकी इस यात्रा एवं वार्ता का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के रिश्ते को स्थिर करना है, जो बेहद तनावपूर्ण हो चुके हैं

- बी.बी.सी. न्यूज़ की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लिंकन जनवरी 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार ग्रहण करने के बाद चीन का दौरा करने वाले सर्वोच्च रैंकिंग वाले पहले अमेरिकी सरकारी मंत्री अथवा अधिकारी हैं।
- बी.बी.सी. के अनुसार, अमेरिकी हवाई क्षेत्र में एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे की उड़ान के बाद ब्लिंकन की पिछली यात्रा स्थगित होने के लगभग पांच महीने बाद वे चीन पहुंचे हैं।

बीजिंग, 18 जून (वार्ता)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन चीन के अधिकारियों के साथ दो दिवसीय बैठक के लिए रविवार को बीजिंग पहुंचे।

बीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक ब्लिंकन जनवरी 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडेन के पदभार ग्रहण करने के बाद चीन का दौरा करने वाले सर्वोच्च रैंकिंग वाले पहले अमेरिकी सरकारी अधिकारी हैं।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि वार्ता का मुख्य लक्ष्य एक ऐसे रिश्ते को स्थिर करना है जो बेहद तनावपूर्ण हो गये हैं। बीबीसी के अनुसार अमेरिकी हवाई क्षेत्र में एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे की उड़ान के बाद ब्लिंकन की पिछली यात्रा स्थगित होने के लगभग पांच महीने बाद वह चीन पहुंचे हैं। अमेरिका इस यात्रा को लेकर बहुत आशावान नहीं है। दोनों ही देश स्पष्ट कर चुके हैं कि वे किसी भी बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे के समाधान को लेकर उम्मीद नहीं करते हैं।

गौरतलब है कि चीन ने ताइवान के पास सैन्य अभ्यास किया है, जिसे चीन अपना अभिन्न अंग मानता है। अमेरिका ताइवान की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है।

गौरतलब है कि बाइडन सरकार ने सत्ता में आते ही चीन विरोधी वैश्विक गठबंधन सहित कुछ ऐसे फैसले लिए हैं जिनके कारण दोनों देशों के आपसी सम्बंधों में भारी तनाव व्याप्त हो गया है।

'आदिपुरुष' के विवादित डायलॉग्स बदले जायेंगे

नई दिल्ली, 18 जून (वार्ता)। आदिपुरुष फिल्म के निर्माताओं फिल्म ने रविवार को घोषणा किया कि जनता और दर्शकों की राय को ध्यान में रखते हुए फिल्म के कुछ संवादों में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है।

फिल्म की टीम ने एक वक्तव्य में कहा, निर्माता कुछ संवादों में बदलाव करने पर विचार कर रहे हैं, जिससे फिल्म का मूल सार बना रहे और अगले कुछ दिनों में सिनेमाघरों में भी ऐसा ही दिखाई देगा। यह निर्णय इस बात का प्रमाण है कि बॉक्स ऑफिस पर अबाध कमाई करने के बावजूद, टीम अपने दर्शकों के लिए प्रतिबद्ध है और कुछ भी दर्शकों की भावनाओं और सामाजिक सद्भाव से परे नहीं है।

- आदिपुरुष फिल्म के निर्माताओं फिल्म ने घोषणा की कि, जनता और दर्शकों की राय को ध्यान में रखते हुए फिल्म के कुछ संवादों में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है।

इस फिल्म ने अपनी रिलीज के पहले ही दिन बंपर कमाई की और यह कमाई लगातार जारी है और इसने वैश्विक रूप से दो दिनों में कुल 240 करोड़ रुपये की कमाई की है। आदिपुरुष फिल्म का निर्देशन ओम राउत ने किया है। इस फिल्म में प्रभास ने राम , कृति सेनन ने सीता ,सैफ अली खान ने रावण और देवदत्त नागा ने हनुमान की भूमिका निभाई है।

नाबालिग पहलवान लड़की के पिता ने एक बार फिर अपना बयान बदला

नाबालिग पहलवान के पिता ने भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के ऊपर लगे अपने आरोप वापस लेने का दावा किया

- गौरतलब है कि, पहलवान साक्षी मलिक ने गत 17 जून को ही आरोप लगाया है कि, नाबालिग को अपना बयान बदलने के लिए परिवार को धमकियां मिली थीं।
- नाबालिग के पिता से जब यह सवाल किया गया कि, क्या उन्होंने किसी के दबाव में आकर अपने बयान को बदला है? इस पर उन्होंने कहा कि, ऐसा करने के लिए उन्हें किसी ने मजबूर नहीं किया।

नई दिल्ली, 18 जून। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के ऊपर कार्रवाई की मांग कर रहे पहलवानों ने कई दिनों से झंडा बुलंद किया हुआ है। बीते दिनों नाबालिग पहलवान के पिता ने अपने बयान से पलटते हुए बृजभूषण के ऊपर लगे अपने आरोप वापस लेने का दावा किया। नाबालिग के पिता का कहना था कि उनकी बेटी ने गुस्से में आकर बृजभूषण के ऊपर आरोप लगाए थे। नाबालिग के पिता से जब यह सवाल किया गया कि क्या उन्होंने किसी के दबाव में आकर अपने बयान को बदला है? इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए उन्हें किसी ने मजबूर नहीं किया।

उधर पहलवान साक्षी मलिक ने आरोप लगाया कि नाबालिग को अपना बयान बदलने के लिए परिवार को धमकियां मिली थीं। साक्षी मलिक के इस दावे का विरोध करते हुए कि नाबालिग पहलवान के पिता ने दृढ़ता से कहा कि उनके परिवार को कोई धमकी नहीं मिली है। नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा, "हमें जो करना चाहिए था, हमने कर दिया है। हमारे परिवार को धमकियों के ऐसे दावों में कोई सच्चाई नहीं है।"

साक्षी मलिक ने पहले खुलासा किया कि नाबालिग पहलवान ने दो बार बयान दिए थे- पहले पुलिस को भारतीय दंड संहिता की धारा 161 के तहत, और बाद में, धारा 164 के तहत एक मजिस्ट्रेट के सामने। हालांकि, मलिक के मुताबिक, नाबालिग पहलवान ने अपने परिवार को कथित धमकियों के कारण अपने बयान में बदलाव किया।

मलिक की टिप्पणी दिल्ली पुलिस की उस सिफारिश के बाद आई है, जिसमें नाबालिग पहलवान की तरफ से बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दायर की गई शिकायत को सबूतों के अभाव में खारिज करने की सिफारिश की गई थी। डब्ल्यू.एफ.आई. प्रमुख के मामले में रद्द करने की रिपोर्ट पर दिल्ली की एक अदालत चार जुलाई को विचार करेगी।

उधर साक्षी मलिक, विनेश फोगट और बजरंग पुनिया सहित भारत के प्रमुख पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर सात पहलवानों के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है, जिनमें से एक नाबालिग है। डब्ल्यू.एफ.आई. प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में सरकार से आश्वासन मिलने के बाद पहलवानों ने अपना विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया था।

हिमाचल व उत्तर भारत में भूकम्प

शिमला, 18 जून (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश सहित उत्तर भारत में एक बार फिर भूकम्प के झटके महसूस किए गए हैं। इस बार भी केंद्र जम्मू-कश्मीर ही रहा है। लेकिन यह झटके पांच दिन पहले आए भूकंप से कम थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गयी।

प्रभावित इलाकों में झटकों के बाद एक बार फिर लोगों में अफरातफरी मची और लोग अपने घरों से बाहर आ गए। इस बार इन झटकों का केंद्र मां वैष्णो देवी मंदिर के पास कटड़ा में रहा। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी इंडिया के अनुसार यह भूकंप रविवार तड़के 3.50 बजे आया।

- हिमाचल प्रदेश सहित उत्तर भारत में एक बार फिर भूकम्प के झटके महसूस किए गए। इस बार भी भूकम्प का केंद्र जम्मू-कश्मीर ही था। रिक्टर पैमाने पर भूकम्प की तीव्रता 5.4 मापी गयी।

रिक्टर स्केल पर इसका कंपन 4.1 मेग्नीट्यूड था। इसका केंद्र कटड़ा से 80 किमी पूर्व धरती में 11 किमी नीचे लेटीट्यूड 42.96 और लांगीट्यूड 75.79 था। जिसका असर जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ पंजाब, हिमाचल और चंडीगढ़ में भी महसूस किया गया।

गत मंगलवार को ही जम्मू-कश्मीर के डोडा में 1:33 बजे 5.4 तीव्रता का भूकंप आया था। दिल्ली के अलावा पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भूकंप के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)